

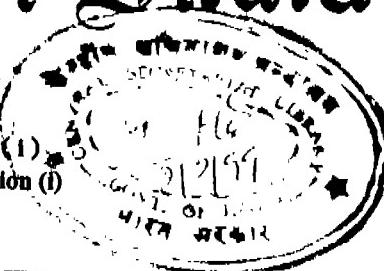
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 382]
No. 382]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 7, 1998/आश्विन 15, 1920
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 7, 1998/ASVINA 15, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1998

सं. 53/98—सेवा कर

सा. का. नि. 597 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त (सं. 2) अधिनियम, 1998 (1998 का 21) की धारा 116 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 16 अक्टूबर, 1998 को ऐसी तारीख के रूप में नियम करती है जिसको वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की उक्त धारा 116 में यथा उपर्युक्त रूप से संशोधन किया जाएगा और सेवा कर, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 की उपधारा (4) और उपधारा (5) के अधीन उद्ग्रहणीय होगा।

[फा. सं. बी 11/3/98—टीआरयू]

अतुल गुप्ता, अवर सचिव,

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)
NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998

No. 53/98-SERVICE TAX

G.S.R.597 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 116 of the Finance (No. 2) Act, 1998 (21 of 1998), the Central Government hereby appoints the 16th October, 1998, as the date on which the Finance Act, 1994 (32 of 1994) shall be amended as provided in the said Section 116

and the service tax shall be levied under sub-section (4) and sub-section (5) of Section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994).

[F. No.B 11/3/98-TRU]

ATUL GUPTA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1998

सं. 54/98—सेवा कर

सा.का.नि. 598 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32), 1994 की धारा 94 की उप-धारा (2) के साथ पटित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा कर नियम, 1994 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा कर (संशोधन) नियम, 1998 है।
- (2) ये 16 अक्टूबर 1998 से प्रवृत्त होंगे।
2. सेवा कर नियम, 1994 में (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है),—
 - (I) नियम 2 में, उपनियम (1) में,—
 - (क) खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) ‘आधा वर्ष’ से किसी वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल से 30 सितंबर या 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक के बीच की अवधि अभिप्रेत है”;

(ख) खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा,
अर्थात् :—

(घ) “सेवा कर का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति”
से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—

- (i) किसी टेलीफोन कनेक्शन या पेजर के संबंध में,—
- (क) भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 3 के खंड (6) में निर्दिष्ट डाक और तार, महानिदेशक; या
- (ख) अध्यक्ष-सह-महानिदेशक, महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड, दिल्ली, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत कम्पनी है; या
- (ग) कोई ऐसा अन्य व्यक्ति जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (1) के पहले परन्तुक के अधीन अनुज्ञित प्रदस की गई है;
- (ii) साधारण बीमा कारबार के संबंध में,—
- (क) अध्यक्ष, भारतीय साधारण बीमा निगम, मुम्बई; या
- (ख) अध्यक्ष-सह-प्रबंध महानिदेशक, राष्ट्रीय बीमा कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता; या
- (ग) अध्यक्ष-सह-प्रबंध महानिदेशक, न्यू इंडिया एश्योरेश कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई; या
- (घ) अध्यक्ष-सह-प्रबंध महानिदेशक, ओरिएंटल बीमा कम्पनी लिमिटेड, दिल्ली; या
- (ङ) अध्यक्ष-सह-प्रबंध महानिदेशक, यूनाइटेड इंडिया बीमा कम्पनी लिमिटेड, चेन्नई; या
- (च) कोई ऐसा व्यक्ति जो साधारण बीमा कारबार करता है और जिसने बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र अभिप्राप्त किया है; और

(iii) “किसी समाशोधन और अग्रेषण अधिकारी द्वारा उपलब्ध की जाने वाली सेवाओं के संबंध में प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जिसे किसी समाशोधन और अग्रेषण अधिकारी द्वारा नियोजित किया गया है और जो ऐसी सेवाओं के लिए परिश्रमिक या कमीशन (चाहे जिस नाम से जात हो) उक्त अधिकारी को संदेत करता है”;

(ग) खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(झ) ‘त्रैमासिक’ से किसी विशेष वर्ष के 1 जनवरी से 31 मार्च या 1 अप्रैल से 30 जून या 1 जुलाई से 30 सितम्बर अथवा 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक के बीच की अवधि अभिप्रेत है।”;

(II) नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4. रजिस्ट्रीकरण—(1) सेवा कर का संदाय करने के लिए दायी प्रत्येक व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको, विस अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 के अधीन सेवा कर उद्घाटित होता है, 30 दिन की अवधि के भीतर, प्ररूप से क.-1 में नियम 3 के अधीन नियुक्त संबंधित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी को रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करेगा।

परन्तु यह कि जहाँ कोई व्यक्ति कोई कराधेय सेवा उपलब्ध कराने का कारबार, उस सेवा के उद्घाटित होने के पश्चात् प्रारम्भ करता है तो वह ऐसे प्रारम्भ की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करेगा।

(2) जहाँ, कोई निर्धारिती एक से अधिक परिसरों या कार्यालयों से कोई कराधेय सेवा उपलब्ध करा रहा है और उसकी ऐसे परिसरों या कार्यालयों से ग्राहकों को दी गई ऐसी सेवा के संबंध में कोई केन्द्रीयकृत बिलिंग प्रणाली है तो वह ऐसे परिसरों या कार्यालयों को जहाँ ऐसी केन्द्रीयकृत बिलिंग की जाती है, रजिस्ट्रीकरण करने के लिए विकल्प रख सकेगा।

(3) जहाँ कोई निर्धारिती एक से अधिक परिसरों या कार्यालयों से कोई कराधेय सेवा उपलब्ध करा रहा है, और उसके पास कोई केन्द्रीयकृत बिलिंग प्रणाली नहीं है तो वह, संबंधित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी को रजिस्ट्रीकरण के लिए पृथक आवेदन करेगा।

(4) जहाँ, कोई निर्धारिती एक से अधिक कराधेय सेवा उपलब्ध करा रहा है, वहाँ वह संबंधित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी को उसके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सभी कराधेय सेवाओं का उल्लेख करते हुए, एक एकल आवेदन कर सकेगा।

(5) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी, आवेदन प्ररूप के सम्पर्क से सत्यापन के पश्चात् आवेदन की प्राप्ति की तारीख से 7 दिन के भीतर प्ररूप से. क.-2 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र मंजूर करेगा। यदि उक्त अवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र मंजूर नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किए गए प्रमाण पत्र को मंजूर किया गया समझा जाएगा।

(6) जहाँ, कोई रजिस्ट्रीकृत निर्धारिती अपने कारबार का अंतरण किसी अन्य व्यक्ति को करता है, वहाँ अंतरिती रजिस्ट्रीकरण का नया प्रमाण पत्र अभिप्राप्त करेगा।

(7) ऐसा प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत निर्धारिती जो उस कराधेय सेवा को उपलब्ध कराना बंद कर देता है, जिसके लिए वह रजिस्ट्रीकृत है, अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र को तुरन्त अभ्यर्थित कर देगा।”;

(III) नियम 5 के उपनियम (2) में “त्रैमासिक” शब्द का लोप किया जाएगा;

(IV) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“सेवा कर का संदाय—(1) किसी कलेण्डर मास के दौरान प्राप्त कराधेय सेवाओं के मूल्य पर सेवा कर उक्त कलेण्डर मास के ठीक अगले मास की 25 तारीख तक केन्द्रीय सरकार के खाते में संदेत किया जाएगा;

गरन्तु यह और कि जहां निर्धारिती कोई व्याप्तिक या स्थापित्वधारी फर्म या भागीदारी फर्म है, वहां किसी तिमाही के दौरान प्राप्त कराधेय सेवाओं के मूल्य पर सेवा कर, उक्त तिमाही के ठीक अगले मास की 25 तारीख तक केन्द्रीय सरकार के खाते में संदर्श किया जाएगा।”

(2) निर्धारिती, उसके द्वारा संदाय किए जाने के लिए दायी सेवा का, प्ररूप टी आर-6 में, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय उत्पादशुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा अभिहित बैंक में या केन्द्रीय उत्पादशुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा विहित किसी अन्य रीति में, जमा करेगा।

(3) जहां किसी निर्धारिती ने किसी ऐसी कराधेय सेवा की बाबत सेवा कर का संदाय, केन्द्रीय सरकार के खाते में किया है, जो किसी कारण से पूर्णतः या भागतः उसके द्वारा इस प्रकार नहीं दी गई है वहां निर्धारिती, पश्चात्वर्ती अवधि के लिए उसके सेवा कर दायित्व के मद्दे उसके द्वारा इस प्रकार संदर्श अधिक सेवा कर (समानुपातिक आधार पर संगणित) का समायोजन कर सकेगा, यदि निर्धारिती ने उस व्यक्ति को जिससे उसने उसे प्राप्त किया था, कराधेय सेवा का मूल्य और उस पर सेवा कर वापस कर दिया है।

(4) जहां कोई निर्धारिती, किसी कारण से, यथास्थिति, किसी विशिष्ट माह या तिमाही के लिए संदेह वास्तविक रकम के निशेप करने की तारीख को सही प्राक्कलन करने में असमर्थ है तो निर्धारिती निषेप की गई रकम के आधार पर कर का अनन्तिम निर्धारण करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को लिखित में अनुरोध कर सकेगा और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी, ऐसे अनुरोध के प्राप्त होने पर, कर के अनन्तिम निर्धारण का आदेश कर सकेगा और जहां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी, अनन्तिम निर्धारण करता है वहां अनन्तिम निर्धारण से संबंधित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के उपबन्ध, उसके सिवाय जहां तक वे बंधपत्र के निष्पादन से संबंधित हैं, यथाशक्य, ऐसे निर्धारण को लागू होंगे।

(5) जहां कोई निर्धारिती, उपनियम (4) के अधीन अनन्तिम निर्धारण के लिए अनुरोध करता है वहां वह प्ररूप से क. -3क में एक ज्ञापन में प्रत्येक माह के लिए जमा किए गए सेवा कर और संदाय के लिए दायी सेवा-कर के बीच का अन्तर के ब्योरे देते हुए, कथन फाइल करेगा, जिसके साथ, यथास्थिति, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक विवरणी होगी।

(6) जहां निर्धारिती, उपनियम (5) के अधीन प्ररूप से क. -3क में एक ज्ञापन प्रस्तुत करता है वहां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह, जब कभी भी आवश्यक समझे, ऐसे अतिरिक्त दस्तावेजों या अभिलेखों को बुलाने के पश्चात, जिसे वह यामले की परिस्थितियों में आवश्यक और उचित समझता है, निर्धारण को पूरा करे।

स्पष्टीकरण:—इस नियम और नियम 7 के प्रयोजनों के लिए, “प्ररूप से क-6” से केन्द्रीय सरकार के खाताना नियमों के नियम 92 में निर्दिष्ट ज्ञापन या आलान अभिप्रेत है।

(7) कोई व्यक्ति, जो किसी विमान यात्रा अधिकारी द्वारा दी गई सेवाओं के संबंध में सेवा कर के संदाय के लिए दायी है, उसे यह विकल्प होगा कि वह उसके द्वारा दी गई कराधेय सेवा के मूल्य के पांच प्रतिशत की दर से सेवा कर के संदाय के बदले उसके सेवा कर दायित्व के निर्वहन मद्दे, यथास्थिति, किसी कलैंडर माह या तिमाही के दौरान विमान द्वारा यात्रा के लिए यात्रा भाड़े का घेरेलू बुकिंग की दशा में मूल भाड़े की 0.25 प्रतिशत

की दर से और अन्तर्राष्ट्रीय बुकिंग की दशा में मूल भाड़े की 0.5 प्रतिशत की दर से संगणित रकम का संदाय करे और यह विकल्प एक बार प्रयोग कर लिए जाने पर, उसके द्वारा किए गए विमान द्वारा यात्रा के लिए यात्री भाड़े की सभी बुकिंग की बाबत समान रूप से लागू होगा और किसी भी परिस्थितियों में वित्तीय वर्ष के दौरान परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए “मूल भाड़ा” पद से विमान भाड़े का वह भाग अभिप्रेत है जिस पर इथरलाइन द्वारा विमान यात्रा अधिकर्ता को सामान्यतः कमीशन का संदाय किया जाता है।

(8) किसी भी रीति से समाशोधन और अग्रेषण संक्रियाओं की सेवाएं देने के लिए ग्राहक को समाशोधन और अग्रेषण अधिकर्ता द्वारा उपबंधित सेवाओं के संबंध में कराधेय सेवा का मूल्य, ऐसे अधिकर्ता को लगाने वाले ग्राहक द्वारा ऐसे अधिकर्ता को संदर्श परिश्रमिक या कमीशन (उसका चाहे जो नाम हो) की सकल रकम समझी जाएगी।”;

5. नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“7. विवरणियां—(1) ग्रन्थेक निर्धारिती, अर्धवार्षिक विवरणी के अन्तर्गत आने वाले माहों के लिए प्ररूप टी.आर.-6 की प्रति के साथ, यथास्थिति, प्ररूप से क. -3 या से.क. -3क में अर्धवार्षिक विवरणी तीन प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

(2) प्रत्येक निर्धारिती अर्धवार्षिक विवरणी, विशिष्ट छामाही के आगामी माह की पच्चीस तारीख तक प्रस्तुत करेगा।

(3) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी, तदुपरि, संदेह सेवा कर, जिसके अन्तर्गत उस पर संदेह व्याज, यदि कोई है, आता है, का निर्धारण करेगा और निर्धारण ज्ञापन को पूरा करेगा। इस प्रकार निर्धारित विवरणी की प्रति निर्धारिती को भेजी जाएगी।

(4) निर्धारिती द्वारा अवधारित और संदर्श सेवा कर, उपनियम (3) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा निर्धारित सेवा कर में समायोजित किया जाएगा और जहां इस प्रकार निर्धारित सेवा कर निर्धारिती द्वारा निर्धारित और संदर्श सेवा कर से अधिक है, वहां निर्धारिती उस पर अवधारित व्याज की रकम सहित कमी की, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी से विवरणी की प्राप्ति के दस दिन के भीतर संदाय करेगा तथा जहां ऐसा सेवा कर कर्म है, वहां निर्धारिती, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी से विवरणी की धारा 11 खं के उपबंधों के अनुसरण में प्रतिदाय के लिए आवेदन कर सकेगा।”;

(VI) प्ररूप से.क. -2 के पैरा 1 में “सेवा कर का संग्रहण” शब्दों के स्थान पर “सेवाओं के लिए सेवा कर का संदाय” शब्द रखे जाएंगे;

(VII) प्ररूप से.क. -3 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :—

प्ररूप से.क. -3

—से— तक की अवधि के लिए भारत सरकार को जमा किये गए सेवा कर की विवरणी कलैंकटी

1. निर्धारिती का नाम
2. क्या वह व्याप्तिक है अथवा सांपत्तिक फर्म है अथवा भागीदारी फर्म है अथवा कोई अन्य है (कृपया विनिर्दिष्ट करें)
3. सेवाओं का प्रबन्ध

4. सेवा कर रजिस्ट्रीकरण सं.

मास	प्रभारित या बिल के अनुसार कराधेय सेवा का मूल्य (रकम का मासवार विवरण उपदर्शित करें)	बसूल की कराधेय सेवा का मूल्य (रकम का मासवार विवरण उपदर्शित करें)	संदेय सेवा कर की रकम	सेवा कर नियम, 1994 के नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार समायोजित सेवा कर की रकम	ब्याज की रकम, यदि कोई संदेय है
1	2	3	4	5	6

संदर्भ रकम

कल संदर्भ रकम

चालान सं. और तारीख/अर्नल पर्ची सं. और तारीख

सरकार के खाते में संदत्त सेवा कर	संदत्त छाज	संदत्त कोई अन्य रकम	[7(क) + 7(ख) + 7(ग)]
7(क)	7(ख)	7(ग)	8

*कृपया बताएं और दस्तावेजी साक्ष्य संलग्न करें।

**कृपया बताएं कि रकम किस मद्दे संदर्भ की गई है।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विशिष्टियाँ हमारे द्वारा रखे गए अभिलेखों और बहियों के अनसार हैं और ठीक कथित हैं।

संग्रह :

तारीख : निर्धारिति या उसके प्राधिकृत
प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
निर्धारण ज्ञापन

1. सेवा कर ठीक संदर्भ किया गया है।
 2. सेवा कर रूपए अधिक/कम संदर्भ किया गया है। सेवा कर का ठीक निर्धारण निम्नलिखित औरे के अनसार है :

निर्धारिती से अनुरोध है कि वह इस निर्धारण ज्ञापन की प्रतिक्रिया के 10 दिन के भीतर रु. की कमी का संदाय करें। निर्धारिती में प्रतिदाय, यदि कोई है, के लिए आवेदन कर सकता है।

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर और मदा)

सारीख

[फा.सं. बी 11/3/98]

टिप्पण : सेवा कर नियम, 1994 अधिसूचना सं. 2/94-सेवा कर तारीख 28-6-94 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और भारत के राजपत्र असाधारण में सांकेतिक 546 (अ), तारीख 28-6-94 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और इनमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 42/97-सेवा कर तारीख 5-11-97 द्वारा किया गया था और जो भारत के राजपत्र, असाधारण में सांकेतिक 638 (अ) तारीख 5-11-97 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998
No. 54/98-SERVICE TAX

G.S.R. 598(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely :—

- (1) These rules may be called the Service Tax (Amendment) Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the 16th day of October, 1998.

2. In the Service Tax Rules, 1994 (hereinafter referred to as the said rules,—

- (I) in rule 2, in sub-rule (1),—
 (A) after clause (c) the following clause shall be inserted, namely :—
 “(cc) “half-year” means the period between 1st April to 30th September or 1st October to 31st March of a financial year”;
- (B) for clause (d) the following clause shall be substituted, namely :—
 “(d) “person liable for paying the service tax” means,—
 (i) in relation to a telephone connection or pager,—
 (a) the Director General of Posts and Telegraphs, referred to in clause (6) of section 3 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); or
 (b) the Chairman-cum-Managing Director, Mahanagar Telephone Nigam Limited, Delhi, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); or
 (c) any other person who has been granted a licence by the Central Government under the first proviso to sub-section (1) of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);
 (ii) in relation to general insurance business,—
 (a) the Chairman of the General Insurance Corporation of India, Mumbai; or
 (b) the Chairman-cum-Managing Director of the National Insurance Company Limited, Calcutta; or
 (c) the Chairman-cum-Managing Director of the New India Assurance Company Limited, Mumbai; or
 (d) the Chairman-cum-Managing Director of the Oriental Insurance Company Limited, Delhi; or
 (e) the Chairman-cum-Managing Director of the United India Insurance Company Limited, Chennai; or
 (f) any other person carrying on general insurance business and who has obtained a certificate of registration under section 3 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938); and
 (iii) in relation to services provided by a clearing and forwarding agent, every person who engages a clearing and forwarding agent and by whom remuneration or commission (by whatever name called) is paid for such services to the said agent.”;
- (C) after clause (d) the following clause shall be inserted, namely :—
 “(e) “quarter” means the period between 1st January to 31st March or 1st April to 30th June or 1st July to 30th September or 1st October to 31st December of a financial year.”;
- (II) for rule 4, the following rule shall be substituted, namely :—
 “4. Registration.—(1) Every person liable for paying the service tax shall make an application to the concerned Central Excise Officer appointed under rule 3 in Form ST-1 for registration within a period of thirty days from the date on which the service tax under section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) is levied:
 Provided that where a person commences the business of providing a taxable service after such service has been levied, he shall make an application for registration within a period of thirty days from the date of such commencement.
 (2) Where an assessee is providing a taxable service from more than one premises or offices and has a centralised billing system in respect of such service rendered to clients from such premises or offices at any one premises or office, he may opt for registering only the premises or office from where such centralised billing is done.
 (3) Where an assessee is providing a taxable service from more than one premises or offices, and does not have any centralised billing system, he shall make separate applications for registration in respect of each such premises or offices to the concerned Central Excise Officer.
 (4) Where an assessee is providing more than one taxable service, he may make a single application, mentioning therein all the taxable services provided by him, to the concerned Central Excise Officer.
 (5) The Central Excise Officer shall after due verification of the application form, grant a certificate of registration in Form ST-2 within seven days from the date of receipt of the application. If the registration certificate is not granted within the said period, the registration applied for shall be deemed to have been granted.
 (6) Where a registered assessee transfers his business to another person, the transferee shall obtain a fresh certificate of registration.
 (7) Every registered assessee, who ceases to provide the taxable service for which he is registered, shall surrender his registration certificate immediately.”;
- III. in rule 5, in sub-rule (2), the word “quarterly” shall be omitted;
- IV. for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—
 “Payment of service tax.—(1) The service tax on the value of taxable services received during any calendar month shall be paid to the credit of the Central Government by the 25th of the month immediately following the said calendar month :

Provided further that where the assessee is an individual or proprietary firm or partnership firm, the service tax on the value of taxable services received during any quarter shall be paid to the credit of the Central Government by the 25th of the month immediately following the said quarter."

(2) The assessee shall deposit the service tax liable to be paid by him with the bank designated by the Central Board of Excise and Customs for this purpose in Form TR-6 or in any other manner prescribed by the Central Board of Excise and Customs.

(3) Where an assessee has paid to the credit of Central Government service tax in respect of a taxable service, which is not so provided by him either wholly or partially for any reason, the assessee may adjust the excess service tax so paid by him (calculated on a prorata basis) against his service tax liability for the subsequent period, if the assessee has refunded the value of taxable service and the service tax thereon to the person from whom it was received.

(4) Where an assessee is, for any reason, unable to correctly estimate on the date of deposit the actual amount payable for any particular month or quarter, as the case may be, the assessee may make a request in writing to the Central Excise Officer to make a provisional assessment of the tax on the basis of the amount deposited and the Central Excise Officer, may, on receipt of such request, order provisional assessment of tax and where the Central Excise Officer makes a provisional assessment, the provisions of Central Excise Rules, 1944 relating to provisional assessment, except so far as it relates to execution of bond, shall, so far as may be apply to such assessment.

(5) Where an assessee under sub-rule 4 requests for a provisional assessment he shall file a statement giving details of the difference between the service tax deposited and the service tax liable to be paid for each month in a memorandum in Form ST-3A accompanying the quarterly or half yearly return, as the case may be.

(6) Where the assessee submits a memorandum in Form ST-3A under sub-rule (5), it shall be lawful for the Central Excise Officer to complete the assessment, wherever he deems it necessary, after calling such further documents or records as he may consider necessary and proper in the circumstances of the case.

Explanation.—For the purposes of this rule and rule 7, "Form TR-6" means a memorandum or challan referred to in rule 92 of the Treasury Rules of the Central Government.

(7) The person liable for paying the service tax in relation to the services provided by an air travel agent, shall have the option, to pay an amount calculated at the rate of 0.25% of the basic fare in the case of domestic

bookings, and at the rate of 0.5% of the basic fare in the case of international bookings, of passage for travel by air, during the calendar month or quarter, as the case may be, towards the discharge of his service tax liability instead of paying service tax at the rate of five per cent of the value of taxable service rendered by him and the option, once exercised, shall apply uniformly in respect of all the bookings of passage for travel by air made by him and shall not be changed during a financial year under any circumstances.

Explanation.—For the purposes of this sub-rule, the expression "basic fare" means that part of the air fare on which commission is normally paid to the air travel agent by the airline.

(8) The value of the taxable service in relation to the services provided by a clearing and forwarding agent to a client for rendering services of clearing and forwarding operations in any manner shall deemed to be the gross amount of remuneration or commission (by whatever name called) paid to such agent by the client engaging such agent.";

V. for rule 7, the following rule shall be substituted, namely :—

"7. Returns.—(1) Every assessee shall submit a half-yearly return in Form 'ST-3' or 'ST-3A', as the case may be, alongwith a copy of the Form TR-6, in triplicate for the months covered in the half-yearly return.

(2) Every assessee shall submit the half-yearly return by the 25th of the month following the particular half-year.

(3) The Central Excise Officer shall thereupon, assess the service tax payable including interest, if any, payable thereon and complete the assessment memorandum. A copy of the return so assessed shall be sent to the assessee.

(4) The service tax determined and paid by the assessee shall be adjusted against the service tax assessed by the Central Excise Officer under sub-rule (3) and where the service tax so assessed is more than the service tax determined and paid by the assessee, the assessee shall pay the deficiency, alongwith amount of interest determined thereon, within ten days of the receipt of the copy of the return from the Central Excise Officer and where such service tax is less, the assessee may apply for refund in accordance with the provisions of section 11B of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944).";

VI. in Form ST-2, in paragraph 1, for the words "collecting service tax on" the words "payment of service tax on services of" shall be substituted;

VII. for Form ST-3, the following form shall be substituted, namely :—

"FORM ST-3

Return of service tax credited to the Government of India for the period.....to.....Collectorate.

1. Name of the assessee.....
2. Whether an individual or proprietary firm or partnership firm or any other (please specify).....
3. Category of services.....
4. Service tax registration No.....

Month(s)	Value of taxable service charged or billed (indicate break-up of the amount month-wise)	Value of taxable service realised (indicate break-up of the amount monthwise)	Amount of Service tax payable	Amount of service tax adjusted in terms of sub-rule (3) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994*	Amount of interest, if any payable
1	2	3	4	5	6

Amount paid			Total amount paid (7(a)+7(b)+7(c))	Challan No. and date/Journal Slip No. and date
Service tax paid to the Government credit	Interest paid	Any other amount paid**		
7(a)	7(b)	7(c)	8	9

* please specify and enclose documentary evidence.

**please specify on what account the amount has been paid.

I/We declare that the above particulars are in accordance with the records and books maintained by us and are correctly stated.

Place :

Date :

Signature of the assessee
or his authorised representative

Assessment Memorandum

1. The Service tax has been paid correctly.
2. The Service tax has been short/excess paid to the extent of Rs..... The correct assessment of the Service Tax is as per the following details :

The assessee is requested to pay the deficiency of Rs.....within 10 days from the receipt of this Assessment Memorandum. The assessee may apply for refund, if any, in.....

(Signature and stamp of the Central Excise Officer)

Date.".

[F.No. B.11/3/98-TRU]

Atul Gupta, Under Secy.

Note : The Service Tax Rules, 1994 were notified vide notification no. 2/94-Service Tax dated 28-6-94 and published in the Gazette of India Extraordinary vide G.S.R. 546 (E) dated 28-6-98 and were last amended vide notification no. 42/97-Service Tax dated 5-11-97 and published in the Gazette of India Extraordinary vide G.S.R. 638(E) dated 5-11-97.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1998

सं. 55/98-सेवा कर

सा.का.नि. 599(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, किसी निर्धारिती द्वारा किसी ग्राहक को भारत में, विदेशी परियोजना के संबंध में दी गई करारेय सेवा को, जिसके लिए संदाय संपरिवर्तीय विदेशी मुद्रा में किया गया है, उस पर उद्घाहणीय संपूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अक्टूबर, 1998 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं.बी. 11/3/98-टी.आर.यू.]

अतुल गुप्ता, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998

No. 55/98-SERVICE TAX

G.S.R.599(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable services rendered in India by an assessee to a client in respect of overseas projects for which payment is made in convertible foreign exchange from the whole of the service tax leviable thereon.

2. This notification shall come into force on the 16th day of October, 1998.

[F. No.B 11/3/98-TRU]

ATUL GUPTA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली 7 अक्टूबर, 1998

सं. 56/98-सेवा कर

सा.का.नि. 600(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, किसी सुरक्षा अधिकरण द्वारा दी गई करारेय सेवा को, जंगम संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुरक्षित निष्केप लाकर्स या सुरक्षा अथवा सुरक्षित ताखाने उपलब्ध कराने की सेवा के संबंध में किसी ग्राहक से प्रभारित कुल रकम पर उद्घाहणीय संपूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अक्टूबर, 1998 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं.बी. 11/3/98-टी.आर.यू.]

अतुल गुप्ता, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998

No. 56/98-SERVICE TAX

G.S.R.600(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided by a security agency from the service tax leviable on the gross amount charged from a client in relation to the services of providing safe deposit lockers or security or safe vaults, for security of movable property.

2. This notification shall come into force on the 16th day of October, 1998.

[F. No.B 11/3/98-TRU]

ATUL GUPTA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1998

सं. 57/98-सेवा कर

सा.का.नि. 601(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, किसी व्यवसायरत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा व्यक्तिके रूप में किसी ग्राहक को दी गई संपरीक्षा और लेखा से अन्य करारेय सेवाओं को उन पर उद्घाहणीय संपूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अक्टूबर, 1998 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं.बी. 11/3/98-टी.आर.यू.]

अतुल गुप्ता, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998

No. 57/98-SERVICE TAX

G.S.R.601(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable services other than of auditing and accounting, provided by a practising chartered accountant, in his professional capacity to a client from the whole of service tax leviable thereon.

2. This notification shall come into force on the 16th day of October, 1998.

[F. No.B 11/3/98-TRU]

ATUL GUPTA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली 7 अक्टूबर, 1998

सं. 58/98-सेवा कर

सा.का.नि. 602(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, किसी मरीनी वधशाला द्वारा दी गई करारेय सेवा को ऐसी वधशाला पर उद्घाहणीय उतने सेवाकर से जो 100 रुपए प्रति गोकुलीय प्राणी से अधिक है, छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अक्टूबर, 1998 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं.बी. 11/3/98-टी.आर.यू.]

अतुल गुप्ता, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1998

No. 58/98-SERVICE TAX

G.S.R.602(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided by a mechanised slaughter house from so much of the service tax leviable on such slaughter house as is in excess of Rs. 100/- per bovine animal.

2. This notification shall come into force on the 16th day of October, 1998.

[F. No.B 11/3/98-TRU]

ATUL GUPTA, Under Secy.